बिहार विधानसभा वादवृत्त

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वृहस्पतिवार, तिथि ५ दिसम्बर, १९७४

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर-संख्या : १ एवं २ ..	१-९
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या : ५२, ५३, ५४, ५५, ५७, ५८, ६०, ६१, ६२, ६३, ६५, ६६, ६७, ६९, ७०, ७१, ७४, ७५, ७७, ८०, ८१, ८७ एवं ८८ । ..	१०-३७
दैनिक निवन्ध ..	३८

अध्यक्ष—मंत्री महोदय, कोई स्पेसिफिक प्रश्न पूछा जाता है तो प्रांतभर में क्या-क्या होता है, क्या प्रोबलेम है, यह सवाल नहीं उठता है। आप देखिए कि कहाँ गड़बड़ी है।

श्री जनक यादव—मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि लघु सिंचाई विभाग है, नलकूप विभाग है, उनमें क्या केवल ट्रान्सफर, पोस्टिंग के अतिरिक्त कोई दूसरा काम नहीं होता है। समूचे बिहार के इन्जीनियर पटने में ही बैठे रहते हैं। १५-१५ और २०-२० दिनों तक वे पटने ही में रहा करते हैं। ट्रान्सफर, पोस्टिंग का ही सिर्फ काम हुआ करता है और बाकी सारा काम बिहार भर का ठप रहता है। क्या इसको देखना सरकार की जिम्मेवारी नहीं है ?

अध्यक्ष—श्री जनक यादवजी, आपका गला खुश्क हो गया है, आप पानी पीकर फिर आइए।

श्री सिन्हा की नियुक्ति

५७। श्री नन्दकुमार सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि कृष्णनन्दन प्रसाद सिन्हा, १९७० ई० से बक्सर प्रमण्डल में चेनमैन के पद पर नियुक्त हैं,

(क) क्या यह बात सही है कि १९७० से १९७४ ई० के बीच उन्हें मोहर्रिर के पद पर नियुक्त किया गया था और फिर उन्हें पदच्युत कर दिया गया, जबकि मोहर्रिर का पद अभी तक रिक्त है,

(३) क्या यह बात सही है कि मोहर्रिर के पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता प्रवेशिका-उत्तीर्ण की है, यदि हाँ तो श्री सिन्हा का जो प्रवेशिका-उत्तीर्ण हैं उनकी नियुक्ति उक्त पद पर से हटाने का क्या औचित्य है,

(४) क्या सरकार श्री कृष्णनन्दन प्रसाद सिन्हा को मोहर्रिर के पद पर नियुक्त करने जा रही है, यदि हाँ, तो कब तक, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जगन्नाथ मिश्र—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर अस्वीकारात्मक है।

(३) श्री कृष्णनन्दन प्रसाद सिन्हा की योग्यता प्रवेशिकोत्तीर्ण है फिर भी जब श्री कृष्णनन्दन प्रसाद सिन्हा की नियुक्ति ही मोहर्रिर के पद पर नहीं हुई तो उन्हें हटाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(४) अभी सोन अंचल में मोहर्रिर का कोई पद रिक्त नहीं है। इसलिए तत्काल इन्हें नियुक्त करने का प्रश्न ही नहीं है।

अध्यक्ष—इसका उत्तर संलग्न है, माननीय सदस्य को कुछ पूछना है तो पूछें।

श्री आजम—मैं खण्ड ४ के बारे में पूछना चाहता हूँ कि सरकार कबतक उनको नियुक्त करने जा रही है।

श्री जगन्नाथ मिश्र—उत्तर पढ़ लीजिए, सभी बात स्पष्ट हो जायेगी।

श्री शकूर अहमद—अध्यक्ष महोदय, मैं एक सवाल करना चाहता हूँ। हम सरकार से जानना चाहेंगे कि १९७० से १९७४ तक आखिर किस पद पर वे काम कर रहे थे।

श्री जगन्नाथ मिश्र—वह चेनमैन थे और चेनमैन के रूप में काम कर रहे थे।

कुओं का निर्माण

५८। **श्री राजेन्द्र नाथ दाँ**—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि हजारीबाग के कोडरमा प्रखंड अन्तर्गत लरियाडीह, पथलडीहा में एक-एक, जयनगर प्रखंड के जयनगर में दो तथा भरकच्ची प्रखंड के मसमोहना तथा चैयनाडीह ग्रामों में एक-एक इन्टेक कुएँ बनाने की स्वीकृति सरकार द्वारा दो वर्ष पूर्व हो गयी है,

(२) क्या यह बात सही है कि इस दिशा में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है,

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो उक्त कुओं का निर्माण कार्य न करने में विलम्ब का क्या कारण है तथा सरकार कबतक उक्त सभी कुओं का निर्माण-कार्य आरम्भ करने जा रही है, यदि नहीं तो क्यों ?